Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 1

– Save This Page as a PDF–

हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश दिया दो साल और कम उम्रके

मत्ती २:१३-१८

खोदाई: हेरोदेस किस प्रकार का राजा था? भय और क्रोध की उसकी प्रतिक्रिया मसीहा के प्रति उसके दृष्टिकोण के बारे में क्या दर्शाती है? परमेश्वर की प्रेममय सुरक्षा और अपने पुत्र की देखभाल पर बल देने में मत्ती का क्या मतलब है? होशे और यिर्मयाह की भविष्यवाणियों की पूर्ति के माध्यम से परमेश्वर घटनाओं का आयोजन कैसे कर रहा था और अपनी मुक्ति की योजना कैसे शुरू कर रहा था?

प्रतिबिंब: जब, हेरोदेस की तरह, क्या आपने मसीह के प्रभुत्व से डर महसूस किया है जब वह चाहता था कि आप उसे कुछ दे दें जो आपने सोचा था कि वह आपका था? आपका वित्त? भावी पति या पत्नी? तुम्हारा जीवनसाथी? एक बच्चा? एक नौकरी? आप उस समय कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? दुनिया द्वारा धमकी दिए जाने पर आप कैसे प्रतिक्रिया करते हैं? यूसुफ की प्रतिक्रिया से, आप विश्वास और आज्ञाकारिता के बारे में क्या सीखते हैं?

जब बिद्वान आए, इसमें कोई संदेह नहीं था कि वे यूसुफ और मरियम दोनों के लिए महान प्रोत्साहन और आश्वासन के स्रोत थे, जो उन्हें स्वर्गदूतों के अविश्वसनीय संदेश की पुष्टि करते थे (मत १:२०-२३ और लूका १:२६-३८), जकर्याह (लूका १:११-२०), और चरवाहों को (लूका २:८-१४)। इसने एलिज़ाबेथ (लूका १:३९-४५), और शिमोन और हन्ना (लूका २:२५-३८) की उस बच्चे के बारे में गवाही की पुष्टि की जिसे मरियम ने जन्म दिया था। यहाँ तक कि बाबुल के दूर के ज्योतिषी भी परमेश्वर का समाचार पाकर यीशु को दण्डवत करने और उसे भेंट चढ़ाने आते थे।

लेकिन यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं रही। कहानी

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 2

में पहला संघर्ष यहूदियों के नाजायज राजा हेरोदेस के रूप में शुरू होता है, जो यहूदियों के वैध राजा येशु को मारने की कोशिश करता है। ज्यों ही बिद्वान चले गए थे, त्यों ही योहोवः का एक दूत योसेफ को एक सपने में दिखाई दिया, जो दे रहा था उसे परमेश्वर की ओर से एक चेतावनी। यह यूसुफ के चार स्वप्नों में से दूसरा था (मत्ती १:२०, २:१३, २:१९ और २:२२)। उठो, उसने कहा: बच्चे और उसकी माँ को ले जाओ और मिस्र भाग जाओ। जब तक मैं तुम से न कहूँ, तब तक वहीं ठहरो, क्योंकि हेरोदेस उसे मार डालने के लिये उस बालक को ढूँढ़ने पर है (मत्ती २:१३)।

हेरोदेस का शासन क्रूर था क्योंकि उसका राज्य रोम के लोहे की मुट्ठी के नीचे किसी भी राज्य से अलग था। यहूदी मूल्य प्रणाली और रोमन मूल्य प्रणाली बिल्कुल विपरीत थीं। यहूदी एक, सच्चे ईश्वर की पूजा करते थे, जबकि रोम कई मूर्तिपूजक देवताओं की पूजा करता था। हेरोदेस उस झंझट के बीच में था। लेकिन रोमनों ने परवाह नहीं की। यहूदियों के कथित नए राजा द्वारा की गई किसी भी समस्या के लिए वे उसे जिम्मेदार ठहराएंगे। वे एक ऐसे शासक को बर्दाश्त नहीं करेंगे जिसे उन्होंने स्वयं नहीं चुना था। रोम किसी भी खतरे को बर्दाश्त नहीं करता था। और अगर उस नए “राजा” के अनुयायियों ने बगावत भड़काई, तो इसमें कोई शक नहीं कि रोम तुरंत उसे क्रूरता से कुचलने के लिए कदम उठाएगा। नहीं, यह अच्छा होता यदि हेरोदेस स्वयं इसे संभाल लेता।

अब जिस प्रकार बिद्वान को यहोवा ने हेरोदेस की आज्ञा न मानने की चेतावनी दी थी, वैसे ही यूसुफ को यहोवा ने हत्यारे राजा से बचने के लिए चेतावनी दी थी। अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए। उसने अपनी पत्नी से वैसे ही प्रेम किया जैसे मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और अपने आप को उसके लिए दे दिया (इफिसियों ५:२५)। किसी को कभी पता नहीं चलेगा कि उसे कितना खर्च करना पड़ा।

अत: यूसुफ तुरन्त आधी रात को उठा (मत्ती २:१४अ)। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को समझा। भले ही रात में यात्रा करना संभावित रूप से अधिक खतरनाक था, यूसुफ ने असाधारण विश्वास और आज्ञाकारिता का प्रदर्शन किया जिसने उसे दिन के उजाले तक भी देरी नहीं करने दी। जबकि रोम नियंत्रित क्षेत्र गाजा के रूप में उत्तर में, यहां तक कि मिस्र के निकटतम हिस्सों में भी, पेलुसियम शहर और नील डेल्टा की पूर्वी शाखाएं बेथलहम से कम से कम ७५ मील की दूरी पर होंगी, और अन्य 100 मील या उससे भी अधिक प्राप्त करने के लिए आवश्यक होगा मिस्र में और हेरोदेस की शक्ति से सुरक्षित रूप से हटा दिया गया। एक बच्चे के साथ यात्रा करने से यात्रा सामान्य से भी धीमी और अधिक कठिन हो गई। नतीजतन, वे शायद एक सप्ताह से अधिक के लिए यात्रा कर रहे होंगे।167

अंधेरे की आड़ में, यूसुफ बच्चे और उसकी माँ को लेकर मिस्र चला गया (मत्ती २:१४b)। उन्होंने किसी को नहीं बताया कि वे जा रहे हैं या वे किस दिशा में यात्रा करेंगे। मरियम गधे पर चढ़ी और अपने बच्चे को कसकर पकड़ लिया। यूसुफ ने लगाम का

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 3

पट्टा खींचा और मिस्र के दक्षिण में सफेद पत्थरों वाली सड़क के साथ लंबी चाल शुरू की। इसका कारण यह है कि लंबी यात्रा के दौरान यूसुफ के पास सोचने के लिए काफी समय था। शायद उसे यह बात अजीब लगे कि कोई भी बच्चे को चोट पहुँचाना चाहेगा। कोई भी बच्चा यह और भी अजीब लग रहा था कि प्रभु इस बात को गुप्त रख रहे हैं। इससे पहले, ऐसा लगता था कि उनके अलावा, केवल वही लोग जानते थे जो इस बच्चे को परमेश्वर का पुत्र जानते थे, वे यहूदी चरवाहे और गैर-यहूदी बिद्वान थे। लेकिन सारे यहूदिया के राजा हेरोदेस महान ने उसके बारे में सुना था, और उसकी प्रतिक्रिया, स्वर्गदूत के अनुसार, उसे मारने की साजिश रचने की थी। वे उसे छोड़ने के लिए भाग रहे थे जो सारी मानवजाति की आत्माओं को बचाने आया था। क्यों? यूसुफ अभी नहीं समझा।

मात्ती के अनुसार, इन सभी घटनाओं का परमेश्वर की संप्रभु योजना में एक उद्देश्य था। वे हेरोदेस की मृत्यु तक वहीं रहे। मैथ्यू का खाता अत्यंत संक्षिप्त और बुनियादी है। वह हमें यात्रा के बारे में कुछ नहीं बताता, सिवाय इसके कि यह रात में शुरू हुई। वह हमें कोई विवरण नहीं देता यह इस बारे में है कि मिस्र में परिवार कहाँ रहता था, या उनका समय कैसे व्यतीत हुआ, हालाँकि बहुत सी अटकलें लगाई गई हैं। कुछ प्राचीन लेखक, यह सोचते हुए कि वे बाइबिल के खाते में सुधार कर सकते हैं, बाल मसीहा के बारे में कहानियों के साथ आए, जिसमें पीड़ित बच्चे के सिर पर दफन कपड़े की पट्टियां रखकर एक दुष्टात्मा से पीड़ित युवक को चंगा किया, जिससे लुटेरे रेगिस्तान में भाग गए, और मूर्तियों को चकनाचूर कर दिया क्योंकि वह केवल उनके पास से चलता था। दूसरी शताब्दी के मूर्तिपूजक दार्शनिक सेल्सस जैसे अन्य लोगों ने यह दावा करते हुए ईसा मसीह को बदनाम करने की कोशिश की कि उन्होंने अपना बचपन और शुरुआती वयस्क वर्ष मिस्र में जादू-टोने के बारे में सीखने में बिताए, जिसके लिए मिस्र प्रसिद्ध था। अपने कई यहूदी विरोधियों की तरह, सेलसस ने तर्क दिया कि यीशु फिर लोगों को चिन्हों और चमत्कारों से प्रभावित करने के लिए वादा किए गए देश में लौट आया ताकि उन्हें यह सोचने में मदद मिल सके कि वह वास्तव में मसीहा था।

उद्धारकर्ता मूसा और मसीहा यीशु के बीच का प्रतीक मत्ती में देखा जाना जारी है। मानो निर्गमन के कदमों को वापस लेने के लिए, यीशु ने मिस्र को उस भूमि के लिए छोड़ दिया जिसे परमेश्वर ने इस्राएल से वादा किया था। इस प्रकार यहोवा का वह वचन पूरा हुआ जो उसने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था: “मैं ने मिस्र में से अपने पुत्र को बुलाया” (मत्तीयाहू २:१५)। वास्तव में, पवित्र वह इस्राएल होगा जिसे यहोवा ने अपने पुत्र को बुलाने की लालसा की थी। लेकिन इस्राएल झूठे देवताओं की पूजा करना पसंद करेगा और बार-बार होने वाले आक्रमणों का सामना करेगा, जब तक कि अंततः वादा किए गए देश से बाबुल में निर्वासित न हो जाए। जब वे अपनी मातृभूमि में वापस आ गए, तो उन्होंने अपने दिल में धन की पूजा करते हुए बाहरी रूप से परमेश्वर की पूजा की। उस पाप का न्याय करने के लिए, यहोवा ने अपनी सुरक्षा वापस ले ली, उन्हें भ्रष्ट

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 4

नेताओं को दे दिया, और उनसे बात करना बंद कर दिया। फिर हेरोदेस के समय तक, चार सौ साल बाद, इस्राएल के धार्मिक नेताओं ने धन के साथ खड़े होने के लिए एक नई मूर्ति खड़ी कर ली थी: उनकी अपनी धार्मिकता।

नई वाचा चार तरीकों से तानक को उद्धृत करती है और उनमें से दो इस फाइल में पाए जाते हैं। दूसरा तरीका एक शाब्दिक भविष्यवाणी और एक प्रतीक के रूप में पूर्ति है। मत्ती ने घोषणा की कि यीशु का मिस्र में रुकना होशे की भविष्यवाणी को पूरा करता है: मिस्र से मैंने अपने बेटे को बुलाया, होशे ११:१ से आता है। प्रसंग निर्गमन है, जहाँ यहोवा कहता है: मेरे पुत्र को जाने दो (निर्गमन ४:२)। तो होशे ११:१ का शाब्दिक अर्थ यह था कि इस्राएल मिस्र से बाहर आया था। लेकिन यह भी एक प्रकार की भविष्य की घटना बन जाती है जब यीशु, परमेश्वर का एक अधिक सिद्ध पुत्र, परमेश्वर का एक अधिक अद्वितीय पुत्र, मिस्र से भी निकलेगा। मत्तित्याहू की पवित्रशास्त्र को सटीक रूप से उद्धृत करने की क्षमता (यहाँ वह उपेक्षा करता है कि शायद सबसे अधिक क्या था सामान्य सेप्टुइगेंट अनुवाद – उनके बच्चे – और सीधे हिब्रू का अनुवाद करते हैं) से पता चलता है कि वह और यहूदी समुदाय संदर्भ को अच्छी तरह से जानते थे।

क्योंकि यहूदी ट्रिनिटी में विश्वास नहीं करते हैं, या मानते हैं कि येशुआ मेशियाच था, रब्बी सिखाते हैं कि जब यीशु मिस्र में थे, तो उन्होंने अपनी त्वचा में कट लगाए और इन कटों के अंदर उन्होंने ईश्वर (YHVH) के लिए चार अक्षर का शब्द डाला. वे कहते हैं कि क्योंकि येशु ईश्वर नहीं थे और स्वयं चमत्कार नहीं कर सकते थे, इस चालाकी से उनके चमत्कार पूरे हुए।

राजा का महल यरूशलेम के पश्चिम की ओर गुलगुथा, या कलवारी नामक स्थान से लगभग तीन सौ गज की दूरी पर शानदार आंगनों और कई तेल के दीपकों का स्थान था। इस रात महल के भीतर और बाहर महत्व के पुरुष दौड़ रहे थे। जब हेरोदेस को पता चला कि ज्योतिषियों ने उसे धोखा दिया है, तो वह क्रोधित हो गया (मत्ती २:१६क) हाँ! उन्होंने उसे बरगलाया! सबसे अधिक संभावना है कि वह अपने सिंहासन से उठे, एक आदमी जिसकी गहरी आंखें जंगल में गुफाओं की तरह हैं, और जब वह शब्द उगलता है तो उसकी ग्रे दाढ़ी अलग हो जाती है। कई लोग उस चाल के लिए भुगतान करेंगे जो उस पर खेली गई थी। बहुतों की मृत्यु होगी। उसके परिचारक इस बात से काँपते थे कि यदि उसके अपनों के प्राणों की आहुति दी जा सकती तो उनके प्राणों का कोई मूल्य न था।

राजा सत्तर वर्ष का था और बहुत बीमार था। वह फेफड़े की बीमारी, किडनी की समस्या, कीड़े, दिल की बीमारी, यौन संचारित रोग और गैंग्रीन के एक भयानक संस्करण से पीड़ित था, जिसके कारण उसके जननांग सड़ गए थे, काला हो गया था और कीड़ों से पीड़ित हो गया था। फिर भी, उसके क्रोध ने उसे ग़ुलाम बना लिया और वह हर चीज़ और हर किसी पर टूट पड़ा। हेरोदेस की नवीनतम धमकी, हालांकि यह एक मात्र शिशु से आई थी, उसे सबसे खतरनाक प्रतीत हुई।

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 5

कोई उसे मूर्ख बनाने वाला नहीं था! उन
बिद्वान का नवजात मसीहा की खबर के साथ उसके पास लौटने का अपना वादा निभाने का कोई इरादा नहीं था। “जनगणना,” वह दहाड़ा। यह विश्वास करने वाले उद्धारकर्ता की समस्या का समाधान प्रदान करेगा। “जनगणना!” इसमें उन सभी परिवारों के नाम होंगे जिनके बच्चे थे। यदि बिद्वान आकाश में प्रकाश देख सकता था, तो उसके पार्षद उसे क्यों नहीं देख सके? क्या वे उस छोटे से प्रताप के साथ लीग में हो सकते हैं जो उसका सिंहासन चाहता था? वह बेहद पागल था। अब उसे विश्वास हो गया कि कोई दो वर्ष का बच्चा कहीं बाहर उसे पदच्युत करने की साजिश कर रहा है! और उसने ज्योतिषियों से सीखे हुए समय के अनुसार बैतलहम और उसके आस पास के सब लड़कोंको जो दो वर्ष के वा उस से छोटे थे, मार डालने का आदेश दिया (मत्ती २:१६ख)। असहाय लड़कों का हेरोदेस का वध फरोहा के शिशुहत्या जैसा था, “ने” के रूप में डब्ल्यू” मसीह के जन्म का मूसा का मकसद विकसित होना जारी है। इस पद से हम जानते हैं कि यीशु उस समय लगभग दो वर्ष का था।

यह चरवाहे थे जो बालक येशु की पूजा करते थे, और यह बिद्वान थे जिन्होंने सोने और लोबान और गन्धरस के अपने खजाने को प्रस्तुत किया (मत्ती २:११)। यूसुफ और मरियम ने इन उपहारों का उपयोग मिस्र में अपने पलायन को वित्तपोषित करने के लिए किया। हालाँकि वे गरीबी से त्रस्त थे, सोना, लोबान और गन्धरस ने उन्हें यात्रा करने और मिस्र में रहने के लिए जब तक ज़रूरत थी तब तक साधन दिया। फिर हेरोदेस की मृत्यु के बाद वे नासरत लौट आएंगे।

कुछ ने कहा है कि यह नरसंहार कभी नहीं हुआ था, जबकि अन्य ने मारे गए बच्चों की संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर बताया है। नर बच्चों के इस वध का उल्लेख केवल यहीं बाइबिल में मिलता है। यहाँ तक कि प्रसिद्ध यहूदी इतिहासकार जोसीफस ने भी इसका उल्लेख नहीं किया। लेकिन यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने और अन्य इतिहासकारों ने एक छोटे से गाँव में कुछ हिब्रू बच्चों की मौत को नज़रअंदाज़ कर दिया, क्योंकि हेरोदेस ने उससे कहीं अधिक जघन्य अपराध किए थे। हालांकि, कुछ ने मारे गए बच्चों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है। एक परंपरा है जो कहती है कि चौदह हजार मारे गए थे। लेकिन पहली शताब्दी में बेथलहम की कुल आबादी का अनुमान आम तौर पर एक हजार से कम है, जिसका अर्थ होगा कि किसी एक समय में दो साल तक के लड़कों की संख्या मुश्किल से बीस से अधिक हो सकती है। स्थानीय समुदाय और व्यक्तिगत परिवारों के लिए विनाशकारी होने के कारण, यह जोसेफस द्वारा दर्ज की गई अधिक शानदार हत्याओं

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 6

से मेल खाने के पैमाने पर नहीं था।

हेरोदेस बेत-लेकेम को अपने महल से नहीं देख सकता,
जो मात्र पाँच मील दूर है। वह न सड़कों पर बहते खून को देख सकता है और न ही भयभीत बच्चों और उनके माता-पिता के विलाप को सुन सकता है। वह विश्वास करता है कि जो अवश्य करना चाहिए वह कर रहा है। रामा में एक शब्द सुनाई देता है, रोना और बड़ा विलाप, राहेल अपके बालकोंके लिथे रो रही है और शान्ति पाने से इनकार करती है, क्योंकि वे अब नहीं रहे (मत्ती २:१८)। इस घटना को भी एक भविष्यवाणी की पूर्ति कहा गया था। मूल रूप से, यिर्मयाह ३१:१५ ने 586 ईसा पूर्व में बेबीलोन की कैद के समय बच्चों की मृत्यु के परिणामस्वरूप राष्ट्र के रोने का उल्लेख किया। लेकिन हेरोदेस के वध के समानांतर स्पष्ट था, क्योंकि फिर से अन्यजातियों के हाथों बच्चों की हत्या की जा रही थी। साथ ही, राचेल की कब्र बेतलेहेम के पास थी, और बहुत से लोग उसे इस्राएल राष्ट्र की माता मानते थे। इसलिए वह इन बच्चों के लिए रोती हुई दिखाई देती है जिन्हें हेरोदेस ने टुकड़े-टुकड़े कर दिया था।

एक तीसरा तरीका है एक बस्ताबिल भविष्यवाणी और एक आवेदन के रूप में पूर्ति है। मत्ती ने यिर्मयाह ३१:१५ को उद्धृत किया जब उसने लिखा: तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था वह पूरा हुआ (मत्ती २:१७)। संदर्भ यरूशलेम से बेबीलोन की कैद है। जैसे ही बंदी उत्तर की ओर गए, वे रामा के पास गए जहाँ यहूदी मातृत्व के प्रतीक राहेल को दफनाया गया था। इस कारण यहूदी माताएं रामा से उन पुत्रों के लिथे रोती हुई निकलीं, जिन्हें वे फिर कभी न देख सकेंगी। यहाँ, छोटे लड़कों के वध में, तानाख की घटना को नई वाचा की घटना पर लागू किया जाता है। आवेदन इस तथ्य में देखा जाता है कि यहूदी माताएँ एक बार फिर उन बेटों के लिए रो रही थीं जिन्हें वे फिर कभी नहीं देखेंगे (मत्ती २:१८)।

बच्चे येशुआ के लिए हेरोदेस की प्रतिक्रिया पूर्ववर्ती फ़ाइल में बिद्वान के साथ जानबूझकर विपरीत है। हेरोदेस ने निश्चय ही सोचा, “निश्चय ही तथाकथित मसीह उन बहुत से लोगों में से था जो मर गए।” इस बात की कोई संभावना नहीं थी कि कोई बच्चा वध से बच गया हो। पूरे देश में रोना और महान शोक था और हेरोदेस बहुत प्रसन्न था। लेकिन जैसे शैतान और फिरौन मोशे को नष्ट करने के अपने प्रयास में असफल रहे, वैसे

Aw – हेरोदेस ने बेथलहम के सभी लड़कों को मार डालने का आदेश
दिया मत्ती २:१३-१८ | 7

ही शैतान और हेरोदेस भी मेशियाक को नष्ट करने के अपने प्रयास में असफल रहे।

यह आश्चर्यजनक लगता है कि मरियम, योसेफ, चरवाहों और बिद्वान ने ठीक वैसा ही किया जैसा उन्हें बताया गया था। मरियम ने स्वयं को परमेश्वर के सामने समर्पित कर दिया; यूसुफ उसे अपनी पत्नी के रूप में अपने घर ले गया; चरवाहे बच्चे को चरनी में खोजने के लिए बेतलेहेम गए; और बिद्वान शकीना की महिमा के पीछे हो लिए। परिणाम की कोई जानकारी न होने के कारण, उन सभी ने अगला कदम भगवान पर विश्वास करके उठाया। अद्भुत!

यह आपके साथ कैसे है? जब आप अनिश्चितता और भारी परिस्थितियों का सामना करते हैं तब भी क्या आप परमेश्वर पर भरोसा रखेंगे और उसके नेतृत्व का पालन करेंगे? जब आप और मैं प्रभु की आज्ञा मानते हैं, तो परिणाम वास्तव में आश्चर्यजनक होता है! इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ हमारे सुखद हो जाएगा। यह मसीहा के प्रेरितों के लिए नहीं था। और हो सकता है कि आज्ञाकारिता का फल इस जीवन में नहीं, बल्कि अगले जीवन में देखने को मिले। लेकिन जैसा कि परमेश्वर ने कहा: अब अगर तुम मेरी पूरी तरह से आज्ञा मानोगे । . . तब तुम मेरे क़ीमती अधिकार होंगे। यद्यपि सारी पृथ्वी मेरी है, फिर भी तुम मेरे लिए याजकों का राज्य होगे। . . एक राजकीय याजक समाज, एक चुने हुए लोग, एक पवित्र राष्ट्र, परमेश्वर की विशेष संपत्ति, कि आप उसकी स्तुति की घोषणा कर सकते हैं जिसने आपको अंधकार से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया (निर्गमन १९:५-६; व्यवस्थाविवरण २८:१-१४; पहला पतरस) २:९-१०). क्या इससे बेहतर कुछ हो सकता है?